केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 55 सोमवार 16 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अंतर मिलने पर मीटर रीडर पर होगी कार्रवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मीटर में रीडिंग स्टोर मिलने पर सम्बंधित मीटर रीडर नपेंगे। टेबल रीडिंग व मीटर में रीडिंग ज्यादा होने पर उसे बदलकर नया मीटर लगा दिए जाने के खेल में मीटर में रीडिंग स्टोर होने के मामले सामने आ रहे हैं। लालगंज थानाक्षेत्र के जिभियांव गांव में एक ऐसा ही मामला सामने आने पर मुख्य अभियंता विद्युत वितरण जोन बस्ती ने सम्बंधित मीटर रीडर के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। जिभियांव गांव के एक उपभोक्ता ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय में शिकायत किया था कि तीन महीने में उसका बिजली का बिल 591 रुपसे से बढ़कर 82 हजार रुपये हो गया है। मामला प्रदेश स्तर पर मीडिया में सुर्खियों में आने के बाद विभाग की काफी किरकिरी हुई थी।

अधिकारियों की ओर से कराई गई जांच में पाया गया कि मीटर में काफी रीडिंग स्टोर थी। उपभोक्ता का स्थानीय कर्मियों से हुए विवाद के बाद मीटर की आखिरी रीडिंग के हिसाब से बिल बनाकर उपभोक्ता को थमा दी गई। अचानक बढ़ा बिल पाकर उसने अधिकारियों से शिकायत की थी।

मुख्य अभियंता एसके सरोज ने बताया कि अगर उपभोक्ता के मीटर की नियमित रीडिंग ली जाती रहती तो यह प्रकरण न होता। मीटर में रीडिंग बढ़ने के बाद भी कम रीडिंग दिखाकर बिल जेनरेट कर दी जा रही थी। इसे गम्भीरता से लिया गया है। इस तरह के प्रकरण में सीधे मीटर रीडर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अल्ट्रासाउंड जांच के लिए नया आदेश जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरकारी और पंजीकृत निजी अल्ट्रासाउंड सेंटरों के लिए अल्ट्रासाउंड जांच के लिए नया आदेश जारी हुआ है। अल्ट्रासाउंड के लिए आईडी का संकट खत्म कर दिया गया है। अब ऐसे महिला मरीज जिनको अल्ट्रासाउंड कराना होगा, वह परिवार के भी आईडी से भी जांच करवा सकेंगी। प्री–कॉन्सेप्शन एंड प्री–नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक (पीसीपीएनडीटी) के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र अग्रवाल ने अल्ट्रासाउंड के लिए नया आदेश जारी किया है। उन्होंने आदेश में कहा है कि अल्ट्रासाउंड के दौरान विवाह पंजीकरण नंबर नहीं मांगा जाएगा। यदि महिला के पास कोई आईडी नहीं है तो पति की फोटो आईडी या परिवार के अन्य किसी सदस्य की आईडी भी अल्ट्रासाउंड के लिए मान्य होगी।

महिला कांग्रेस ने शुरू किया सदस्यता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी के 40 वें स्थापना दिवस पर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष डॉ0 शीला शर्मा की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय पर आनलाइन सदस्ता अभियान शुरू किया गया। डा. शर्मा ने महिलाओं को सदस्यता दिलाकर अभियान का शुभारम्भ किया। उन्होने कहा कांग्रेस सबसे पुरानी पार्टी है और देश को आजादी दिलाने में पार्टी का अविस्मरणीय योगदान रहा है।

उन्होने महिला कांग्रेस के गठन के उद्देश्य, उपलब्धियों और मौजूदा क्रिया कलापों की विस्तार से जानकारी दी। कहा प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के तहत तमाम महिलाओं को पार्टी से जोड़ना है। महिला कांग्रेस का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक कर पार्टी से जोड़ना और उनके अधिकारों के लिये निरन्तर संघर्ष करना है। इस अवसर पर जिला महिला कांग्रेस कमेटी बस्ती की उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा शुक्ला, प्रगति सिंह, राधिका देवी, मायादेवी, विमलाराठी, रेखा देवी, शकुंतला देवी, नीलम विश्वकर्मा, सोनी मिश्रा, सरिता देवी, नाजमा, सोनी गुप्ता, रागनी, कलावती, रन्नोदेवी, देवता देवी, विमला देवी सहित दर्जनों महिलाओं ने आनलाइन सदस्यता लिया। जिलाध्यक्ष ने कहा सदस्यता अभियान जारी रहेगा।

दो दिन बाद मुख्यमंत्री पद से त्याग पत्र देंगे अरविन्द केजरीवाल

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में कुछ शर्तों के साथ जमानत दी थी, जिसके बाद आज रविवार को वह पहली बार आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने 'आप' कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। इसी के साथ उन्होंने एक बड़ा ऐलान किया। केजरीवाल ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि आज से 2 दिन बाद वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

इस्तीफा देने का ऐलान करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'आज से 2 दिन बाद वह मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दूंगा। अब जब तक दिल्ली की जनता अपना फैसला

नहीं सुना देती है तब तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। मैं जनता के बीच में जाऊंगा, गली–गली में जाऊंगा, घर–घर में जाऊंगा और जब तक जनता का फैसला नहीं मिल जाता, तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। जेल से बाहर आने के बाद अग्निपरीक्षा देना चाहता हूं।'

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, 'कुछ लोग कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई पाबंदियों के कारण हम काम नहीं कर पाएंगे। यहां तक कि उन्होंने भी हम पर पाबंदियां लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अगर आपको लगता है कि मैं ईमानदार हूं, तो मुझे बड़ी संख्या में वोट दें। मैं चुने जाने के बाद ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। चुनाव फरवरी में होने हैं। मैं मांग करता हूं कि नवंबर में महाराष्ट्र चुनावों के साथ चुनाव कराए जाएं। चुनाव होने तक पार्टी से कोई और मुख्यमंत्री होगा। अगले 2–3 दिनों में विधायकों की बैठक होगी, जिसमें अगले मुख्यमंत्री पर फैसला होगा।'

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, 'इन्होंने(भाजपा) एक और नया फॉर्मूला बनाया है जहां जहां ये चुनाव हारे वहां–वहां के मुख्यमंत्री पर फर्जी केस करके गिरफ्तार कर लो और उसकी सरकार गिरा दो। इन्होंने सिद्धारमैया, पिनाराई विजयन, ममता दीदी पर केस कर रखें हैं। ये एक विपक्ष के मुख्यमंत्री को नहीं छोड़ते सभी पर फर्जी केस करके जेल में डालते हैं और सरकार गिरा देते हैं।

केजरीवाल ने कहा, 'मैं देश के सारे गैर भाजपा मुख्यमंत्रियों से हाथ जोड़ कर विनती करना चाहता हूं अब अगर प्रधानमंत्री फर्जी केस करके आपको जेल में डालें तो इस्तीफा मत देना।

कथक नृत्य प्रशिक्षण सम्पन्नः छात्रों में किया प्रमाण–पत्र का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रेक्सिस विद्यापीठ शिवा कालोनी के परिसर में एक माह के कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन छात्रों को प्रमाण–पत्र का वितरण निदेशक प्रशान्त पाण्डेय, कृति शुक्ला, प्रधानाचार्य जय श्री चन्देलिया और नृत्य गुरू मास्टर शिव ने किया।

नृत्य गुरू मास्टर शिव ने बताया कि प्रेक्सिस विद्यापीठ के चयनित 80 छात्रों को एक माह तक कथक नृत्य प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को कथक नृत्य के इतिहास, महत्व, प्रस्तुति, भाव भंगिमा आदि की विस्तार से साथ जानकारी दिया गया। उन्हें इसका अभ्यास भी कराया गया। छात्रों को कल्चरल क्वेस्ट नृत्य धाम द्वारा प्रमाण–पत्र सौपे गये। प्रशिक्षण में उनके साथ आंशी ने भी योगदान दिया।

प्रेक्सिस विद्यापीठ की तनिष्क, प्रज्वल, प्रभास, स्वरा, अथर्व, प्रणीत, अनुश्री, शौर्य, मानवी, अनुकृति, दिव्यांश, प्रत्यक्ष, नामिष, समृद्धि रिया, पीहू, शांभवी, रूद्र, समृद्धि त्रिपाठी, जानवी, कृति, आयुषी, प्रियांशी, आराध्य, रिया, आस्था, काव्य अंश, रितिका, पूर्णिमा, उत्कर्षनी, रूद्र, अरनव, आयुष, अर्णव, अंशिका, शानवी, सक्षम, आराध्या काव्या, अनविका, आराध्या दुबे, अदिति, सृष्टि, आराध्या, अंकित, अन्वी, रुचि, कृति, अलका, रश्मि, शानवी, आराध्या, दीपेश, दिवशी अनमोल, आकांक्षा, नेहा, शालू, सारा, इशिता, हर्षित, अनन्या,आंशि, पीहू ,अंक्षिता आदि में प्रमाण–पत्रों का वितरण किया गया। प्रमाण–पत्र के दौरान संगीता यादव, आकांक्षा राज, राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

राजेश चौधरी जद यू जिला संयोजक बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को जनता दल यूनाइटेड की बैठक दीवानी कचहरी के निकट स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर पूर्व जिलाध्यक्ष रविन्द्र कुमार चौधरी एडवोकेट की अध्यक्षता में सम्पन हुई। मण्डल प्रभारी रजनीश पटेल और पूर्व प्रदेश सचिव प्रवीण चौधरी ने संगठन के विस्तार और सदस्यता बढाने पर जोर दिया। कहा कि बिहार राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मजबूत मार्ग दर्शन में यूपी में जद यू का विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में राजेश चौधरी को जिला संयोजक, कृष्ण लाल वर्मा को सह संयोजक नामित किया गया।

–बैठक में पार्टी के विस्तार, सदस्यता अभियान पर जोर

बैठक में अश्विनी कुमार राजभर, द्वारिका प्रसाद चौधरी, अजीत पासवान, सोनू चौधरी, अजीत पासवान, सोनू चौधरी, नीतीश कुमार, अजय चौधरी, कृष्णालाल वर्मा, बरसाती यादव, अजीत चौधरी, धर्मवीर चौधरी, आशुतोष चौधरी, घनश्याम चौधरी आदि उपस्थित रहे।

नेपाल में बारिश से यूपी के कई जिले बाढ की चपेट में: राप्ती उफनाई

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश के कई जिले एक साथ बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। नेपाल की पहाड़ियों पर हुई भारी बारिश का असर बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती और बाराबंकी आदि जिलों पर पड़ रहा है। नेपाल में हो रही बरसात के कारण कुसुम बैराज से राप्ती नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। इससे राप्ती नदी का जलस्तर एक बार पुनः रविवार को खतरे का निशान पार कर गया। इधर सरयू नदी भी उफान पर है। बहराइच जिले में बांध में रिसाव की भी खबरें आईं।

पहाड़ियों पर लगातार हो रही बरसात व नेपाल के बैराजों से करीब आठ लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से बाराबंकी में सरयू नदी उफनाकर गांवों में तबाही मचा रही है। केदारीपुर गांव नदी में बह गया है तो 78 गांव वाला बेलहरी गांव भी नदी में समा रहा है। 2014 में नदी का जलस्तर इसी तरह से बढ़ गया था। शनिवार रात से नदी के ईद–गिर्द करीब एक करीब डेढ़ किमी दूर तटबंध तक पानी आ गया। केदारीपुर व बेलहरी गांव की करीब 500 बीघा जमीन नदी में समा गई है। यहां तेजी से कटान हो रही है। इन दोनों गांवों के लोग ईंट बचाने के चक्कर में मकान तोड़ सुरक्षित स्थान पर ले जा रहे हैं। एडीएम अरूण कुमार ने अधिकारियों के साथ कटान से प्रभावित गांव देखे। उन्होंने बताया कि प्रभावित इलाकों पर नजर रखी जा रही है।

नेपाल के पहाड़ों पर हुई मूसलाधार बारिश से सरयू उफान पर है। सरयू का पानी जिले के मिहिपुरवा, नानपारा और महसी तहसील में तबाही मचा रहा है। रविवार की सुबह बाढ़ के पानी के दबाव से बेलहा– बहरौली तटबंध पर दो स्थानों पर रिसाव शुरू हो गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने हड़कंप मच गई। सूचना पर पहुंचे कर्मचारी रिसाव बंद करवाने में जुट गए हैं।

नानपारा तहसील के बेलहा से निकल कर कैसरगंज के बहराली तक जाने वाला तटबंध 100 से अधिक गांवों का सुरक्षा कवच है। तीन तहसीलों नानपारा, महसी और कैसरगंज की लगभग 2 लाख आबादी बाढ़ के समय इसी तटबंध के समय सुकून की नींद सोती हैं। लेकिन रविवार की सुबह बांध से गुजर रहे ग्रामीणों ने महसी क्षेत्र में तटबंध पर बेहटा और बिसवा के पास हल्का रिसाव होता देखा। रिसाव होते देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई और तत्काल इसकी सूचना जिला प्रशासन और ड्रेनेज खंड को दी गई। सूचना पर सरयू ड्रेनेज खंड के अवर अभियंता जितेन्द्र वर्मा मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर रिसाव बंद करने की कार्यवाही शुरू की। अवर अभियंता जितेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया की तटबंध पर 61.800 और 62.900 पर सीपेज की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे है। जलस्तर बढ़ने के चलते पानी उबाल लें रहा था। सीपेज को मोरंग, गिट्टी, मसाला आदि से बंद करवा दिया गया है। साथ ही तटबंध पर नजर बनाए हैं।

नेपाल में हो रही बरसात के कारण कुसुम बैराज से राप्ती नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। इससे राप्ती नदी का जलस्तर एक बार पुनः रविवार को खतरे का निशान पार कर गया। इससे जहां कई गांवों के खेतों में बाढ़ का पानी आ रहा है। वहीं नरैनापुर, लैवुड़वा व मनिकाकोट में राप्ती ने कटान तेज कर दिया है। जिले में भले ही बरसात थम गई हो लेकिन नेपाल सहित पहाड़ों पर रुक रुक कर बरसात जारी है। ऐसे में नेपाल के कुसुम बैराज से रविवार को सुबह 10 बजे 43267 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके बाद राप्ती नदी का जलस्तर 127.50 से बढ़ कर खतरे के निशान 127.70 को पार कर दोपहर एक बजे 127.80 सेंटीमीटर पहुंच गया।

खतरे के निशान से दस सेंटीमीटर ऊपर पहुंचते ही राप्ती नदी का पानी एक बार पुनरू जमुनहा के वीरपुर गांव के पास खेतों को जलमग्न करता हुआ क्षतिग्रस्त मल्हीपुर भंगहा मुख्य मार्ग की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में ग्रामीण आवागमन के लिए खेत की मेड़ का सहारा लेने को विवश हो गए है। वहीं नरैनापुर में नदी तेजी से कटान करते हुए गांव व प्राथमिक विद्यालय की ओर बढ़ रही है। जिससे ग्रामीणों की धड़कने बढ़ गई हैं। यही नहीं घटते बढ़ते जलस्तर के कारण राप्ती नदी इकौना के लैवुड़वा व मनिकाकोट, टेंडवा, भुतहा गांव का वजूद मिटाने के लिए तेजी से कटान कर रही है। बढ़े जलस्तर के कारण भुतहा में कई घर कटान से मात्र चार से छह मीटर ही बचे हैं। यदि कटान जारी रहा तो कई घर राप्ती नदी की धारा में विलीन हो सकते हैं। ऐसे में ग्रामीण अपने घरों में रखा सामान सुरक्षित करने में जुट गए हैं।

भेड़िया पीड़ितों से मिले मुख्यमंत्री योगी, ढाढस बधाया

संवाददाता–बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऑपरेशन भेड़िया की समीक्षा करने रविवार को खुद ही बहराइच पहुंचे। यहां आते ही सीएम ने सबसे पहले पीड़ितों से मिले और किट का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने पांच भेड़ियों को पकड़ने के बाद अंतिम भेड़िए को दबोचने में लगे रहे समय की वजह भी जाना। यहां चल रहे सर्च ऑपरेशन में आ रहीं चुनौतियां, सुरक्षा समेत सभी बिंदुओं का फीडबैक भी लिया। बता दें कि महसी तहसील के 55 गांवों में कई माह से खूंखार भेड़ियों का आतंक बना हुआ है। नौ बच्चों सहित 10

लोगों को भेड़िया निवाला बना चुके हैं।

वर्तमान में बहराइच का यह क्षेत्र देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। विपक्ष भी भेड़िया के बहाने सरकार को घेरने में लगा हुआ है।

केन्द्रीय मंत्री रवनीत ने राहुल गांधी को बताया आतंकवादी

नई दिल्ली (आभा)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आतंकवादी बताया है। नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए बिट्टू ने कहा, 'राहुल गांधी ने सिखों को बांटने का प्रयास किया है। सिख किसी पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं है, मगर चिंगारी लगाने की कोशिश हो रही है। राहुल गांधी देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं।'

भाजपा नेता ने कहा कि वे लोग जो हर वक्त मारने की बात करते हैं, जहाजों–ट्रेनों को उड़ाने की बात करते हैं... वे राहुल गांधी के समर्थन में आ गए हैं। ऐसे में आप अंदाजा लगा लीजिए। मेरे ख्याल से अगर किसी को पकड़ने के लिए इनाम होना चाहिए तो वो राहुल गांधी हैं। उन्होंने राहुल गांधी को देश का सबसे बड़ा दुश्मन भी बताया।

केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित

है। बिट्टू ने रविवार को भागलपुर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, श्पीएम मोदी पर देशवासियों का पूरा भरोसा है और आज इसी भरोसे के बाबत वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेल सहित हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। फिर भी कांग्रेस के नेता इसकी आलोचना करने से बाज नहीं आते हैं। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस केवल इधर–उधर की बातें करती है। जबकि राहुल गांधी पहली बार संसद में विपक्ष के नेता बने हैं। वे कभी सिख की असुरक्षा की बात करते हैं तो कभी समाज के बिखराव की बात करते हैं। उनका ऐसा व्यवहार माफ करने लायक नहीं है।

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि राहुल गांधी में गंभीरता नहीं है। राहुल गांधी हो या उनके पार्टी के अन्य नेता, सभी देश को तोड़ने में लगे हुए हैं। कांग्रेस को देश की सुरक्षा और करोड़ों जनता के हितों की चिंता बिल्कुल नहीं है। सिर्फ वोट के लिए कांग्रेस समाज में अशांति फैलाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मैंने काफी नजदीक से देखा है, परखा है। कांग्रेस के टिकट पर तीन बार सांसद रहा हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के मूल मंत्रों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ली। पीएम मोदी के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार में शामिल होकर रेल के क्षेत्र में देशवासियों की सेवा कर रहा हूं।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में वरिष्ठ साहित्यकार 92 वर्षीय भद्रसेन सिंह बंधु सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में आई.टी.आई. मुख्य द्वार के निकट वरिष्ठ साहित्यकार 92 वर्षीय भद्रसेन सिंह बंधु का फूल मालाओं के साथ हिन्दी सेवी के रूप में स्वागत किया गया।

इसी कड़ी में हिन्दी दिवस पर हुई संगोष्ठी में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि दुनियां में हिन्दी भाषियों की संख्या लगातार बढ रही है, ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी हिन्दी में पुस्तकें आ रही है, यह हिन्दी के लिये शुभ संकेत है। भारत सहित दुनियां के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढाई जा रही है। अब इस विकास यात्रा के समक्ष देवनागरी लिपि को सहेजने की बड़ी चुनौती है। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के अध्यक्ष बी.एन. शुक्ल ने कहा कि हिन्दी रोजी रोटी की भाषा बन चुकी है और जिन्हें हम गरीब मानते हैं ऐसे लोगों ने हिन्दी को दुनियां भर में सहेजे रखा है। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. वी.के. वर्मा ने कविता के माध्यम

–हिन्दी जीवन और प्रगति से जुड़ी भाषा– श्याम प्रकाश शर्मा

से हिन्दी की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। कहा कि पूरा देश हिन्दी को समझता है। 92 वर्षीय भद्रसेन सिंह बंधु ने कहा कि हिन्दी की इस विकास यात्रा के पीछे अनेक लोगों का जो योगदान है उसे सहेजे रखना होगा। इस अवसर पर डा. राम कृष्ण लाल 'जगमग', डा. वी.के. वर्मा, पं. चन्द्रबली मिश्र, डा. अफजल हुसेन, बटुकनाथ शुक्ल को उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

गोष्ठी के बाद आयोजित कवि सम्मेलन में पं. चन्द्रबली मिश्र, डा. ओम प्रकाश पाण्डेय, सागर गोरखपुरी, पेशकार मिश्र, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक' डा. कविता सिंह आदि ने कविताओं के माध्यम से हिन्दी की विकास यात्रा को रेखांकित किया। मुख्य रूप से अजमत अली सिद्दीकी, विशाल गुप्ता, राकेश सिंह, चन्द्र मोहन लाल श्रीवास्तव, सामईन फारूकी, साधुशरण शुक्ल, दीनानाथ यादव, गणेश प्रसाद, कृष्ण चन्द्र पाण्डेय, लालजी पाण्डेय आदि शामिल रहे।

विधायक अजय सिंह ने जनता से बनाया संवादः कहा– क्षेत्र का विकास पहली प्राथमिकता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह के द्वारा आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत जनता के बीच पहुंचकर सरकार की उपलब्धियां गिनाने और समस्याओं का निराकरण करने का कार्यक्रम लगातार जारी है। विधायक ने रविवार को दुबौलिया ब्लॉक के सूदीपुर, अखंडपुर, अशोकपुर माझा और नांदेकुंआ ग्राम पंचायत में चौपाल लगाकर वहां की जनता से मिले। चौपाल में उपस्थित किसान, दलित, महिला, बुजुर्ग, युवा सभी की समस्याओं से अवगत हुए। अधिकतर समस्याओं का मौके पर निराकरण किया तथा कई मामले में संबंधित अधिकारियों निर्देश दिया। उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि आपकी सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए हम और हमारी डबल इंजन की सरकार सदैव तत्पर है। देश की विरासत को संरक्षित कर देश के

सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार जन–जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कहा कि गरीब, महिला, युवा, किसान, शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर अनिल सिंह, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, हरिओम पाण्डेय, अमन पाण्डेय, प्रवीण कुमार, उमेश सिंह, श्रीराम सिंह, सरोज मिश्र बाबा, विवेक तिवारी, सन्तोष सिंह, दीपू, विभोर, युवराज, विशाल सिंह, वेद प्रकाश, अमित सिंह, पंकज सिंह, रजनीश त्रिपाठी, समीर चौहान, चतुर्गुण राजभर, हरिओम द्विवेदी, खानन सिंह, भगवान बक्श सिंह, सुरेश सिंह, बब्बू, अंकित, सूर्यप्रकाश चौहान, शैलेन्द्र चौहान, अनिल चौहान, बलवंत सिंह, वीरेंद्र चौहान, राणा रणंजय, अरविन्द सिंह, पप्पू सिंह, पंकज सिंह, बेचू सिंह, राम जियावन पाल सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 सितम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

हाशिये पर लोकपाल

भ्रष्टाचार पूरी दुनिया के सामने विकास और खुशहाली की राह में बहुत बड़ा रोड़ा है। इसलिए लगभग हर देश ने इस पर अंकुश लगाने का तंत्र विकसित कर रखा है। प्रशासन की जवाबदेही तय करने की कोशिशें की जाती हैं। मगर हमारे यहां इस मामले में ज्यादातर नाकामी ही नजर आती है। इसलिए लंबे समय से मांग की जाती रही कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन संबंधी कानून बनना चाहिए। करीब ग्यारह वर्ष पहले इसे लेकर बड़ा आंदोलन हुआ, जिसके दबाव में लोकपाल अधिनियम पारित हुआ। मगर लोकपाल की नियुक्ति का मामला करीब पांच वर्ष तक इस तर्क के आधार पर टलता रहा कि लोकसभा में कोई विपक्ष का नेता नहीं था। लोकपाल अध्यक्ष की नियुक्ति में विपक्ष के नेता का होना जरूरी है।

आखिरकार पांच वर्ष पहले लोकपाल का गठन हआ, मगर अभी तक वह पूरी तरह कार्य करने की स्थिति में नहीं आ सका है। अब लोकपाल के जांच प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ में लोकपाल अध्यक्ष के अधीन एक जांच निदेशक होगा, जिसे तीन पुलिस अधीक्षक मदद करेंगे। प्रत्येक पुलिस अधीक्षक को जांच अधिकारी और अन्य कर्मचारियों की सहायता प्रदान की जाएगी। इस तरह उम्मीद बनी है कि अब लोकसेवकों की अनियमितताओं के खिलाफ कुछ कड़े कदम उठाए जा सकेंगे।

हालांकि भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत पहले से कई जांच एजंसियां काम करती हैं। हर महकमे के कर्मचारी पर वहां का सतर्कता विभाग नजर रखता और उसके खिलाफ शिकायतों का निपटारा करता है। केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग भी संबंधित मामलों में जांच करते ही हैं। मगर प्रशासनिक सुधार आयोग का मानना था कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से लोकसेवकों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो सकेगी।

दूसरी जांच एजंसियों पर चूंकि राजनीतिक प्रभाव अधिक देखा गया है, इसलिए उनसे भ्रष्टाचार के मामले में निष्पक्षता की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। पर शायद सरकारों को लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से इसीलिए हिचक पैदा होती रही कि उसके दायरे में प्रधानमंत्री तक को रखा गया है। फिर, लोकपाल और लोकायुक्त स्वतंत्र निकाय की तरह काम करेंगे, उन्हें दूसरी एजंसियों की तरह किसी अधिकारी के खिलाफ जांच करने के लिए संबंधित विभाग से अनुमति की जरूरत नहीं होगी। कई सरकारों को लगता रहा है कि इस तरह उनके कामकाज में बाधा पड़ सकती है। शायद यही कारण है कि अब भी कई राज्य सरकारों ने अपने यहां लोकायुक्त का गठन नहीं किया है।

देर से ही सही, लोकपाल के जांच प्रकोष्ठ के गठन से लोगों में भ्रष्टाचार निवारण की दिशा में उल्लेखनीय नतीजों की उम्मीद जगी है। लोकसेवकों में गलत तरीके से पैसा कमाने की भूख और रिश्वत लेकर अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने, सरकारी योजनाओं में गतिरोध और छीजन पैदा करने की प्रवृत्ति किसी से छिपी नहीं है। इस वातावरण को तभी ठीक किया जा सकता है, जब लोकसेवकों की अनियमितताओं पर लगाम लगाई जा सके।

भारत में भ्रष्टाचार व्यक्तिगत स्तर से कहीं आगे तक फैला हुआ है और लगभग हर संस्थान में पाया जा सकता है। इसलिए, व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए कानून के तहत इस पर अंकुश लगाना जरूरी है। अन्ना के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के कारण देश में एक वातावरण बना किन्तु विसंगति ही है कि अभी तक मोदी सरकार में यह प्रभावी नही हो सका है। लोकपाल विधेयक के लिए अन्ना हजारे का आह्वान और उनका भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन, भ्रष्टाचार की बढ़ती लहर के विरुद्ध एक चमकता सितारा था। यह स्वप्न कब साकार होगा यह यक्ष प्रश्न है।

हालांकि कुछ लोग यह संशय व्यक्त करते रहे हैं कि लोकपाल और लोकायुक्त की नियुक्ति में भी राजनीतिक दखल होती है, इसलिए वे कितने निष्पक्ष रह पाएंगे, कहना मुश्किल है। मगर एक विशाल जनसमुदाय और बड़े प्रतिबद्ध प्रबुद्ध समाज की इच्छा से गठित इस संस्था से भ्रष्टाचार निवारण को लेकर निष्ठा और निष्पक्षता की उम्मीद फिलहाल कमजोर नहीं हुई है।

राहुल गांधी से नफरत के निहितार्थ

—तनवीर जाफरी—

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था रखने वाले किसी भी देश में सत्ता और विपक्ष दोनों ही एक गाड़ी के दो पहियों के समान माने जाते हैं। सत्ता का काम जहां देश के लिये नीतियां व योजनाएं बनाना होता है वहीँ विपक्ष का काम सत्ता की कारगुजारियों पर निगरानी रखना होता है। विपक्ष जरूरत पड़ने पर समय समय पर सत्ता की आलोचना भी करता रहता है। और सत्ता उन स्वस्थ आलोचनाओं का स्वागत करते हुये विपक्ष की आलोचना के अनुरूप अपनी नीतियों, व योजनाओं में परिवर्तन व संशोधन करने का भी प्रयास करती है। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक देश में सत्ता और विपक्ष के रिश्ते प्रायः मधुर व सौहार्दपूर्ण ही रहते हैं। हमारे देश में भी पंडित जवाहर लाल नेहरू व डॉ राम मनोहर लोहिया तथा राजीव गाँधी,सोनिया गांधी व अटल बिहारी वाजपेई जैसे अनेक शीर्ष नेताओं के ऐसे कई किस्से बड़े मशहूर हैं जो पक्ष विपक्ष के सौहार्द्रपूर्ण रिश्तों की गवाही देते हैं।

परन्तु वर्तमान दौर की राजनीति में तो गोया सत्ता द्वारा विपक्ष से दुश्मन की तरह व्यवहार किया जाने लगा है। साम दाम दंड भेद, छल कपट, झूठ, मक्कारी,सत्ता बल धनबल,बाहुबल,सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर, विधायकों की खरीद फरोख्त कर निर्वाचित सरकार गिराकर, मीडिया को गुलाम बनाकर गोया किसी भी तरह से यह कोशिश की जाने लगी है कि विपक्ष का नामो निशान खत्म कर दिया जाये और सत्ता पर हमेशा के लिये कब्जा जमाये रखा जाये। सत्ता के इस 'लोकतंत्र विरोधी' कहे जाने वाले दुष्प्रयास का सबसे बड़ा निशाना लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गाँधी हैं। पिछली लोकसभा में यह देखा गया कि किस तरह एक अदालती फैसले की आड़ लेकर आनन फानन में उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गयी और सदस्या समाप्त करने के साथ ही सांसद के रूप में आवंटित किया गया उनका बंगला भी खाली करवा लिया गया। देश ने यह भी देखा कि किस तरह राहुल गांधी व उनकी मां सोनिया गाँधी को कई दिनों तक बार बार प्रवर्तन निदेशालय (ई डी) द्वारा अपने कार्यालय में बुलाकर उनका मनोबल गिराने की कोशिश की गयी। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस का बैंक खाता फरीज कर दिया। गया। पिछले दस वर्षों से राहुल गाँधी को 'पप्पू' साबित करने के लिये करोड़ों रूपये पानी की तरह बहाये गये। मीडिया का सहारा लेकर राहुल को कटघरे में खड़ा करने की कोशिशें की गयीं। हद तो यह है कि संसद में स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा राहुल गांधी को 'बाल बुद्धि' वाला कहकर सम्बोधित किया गया ? समुदाय विशेष को 'जूते मारो सालों को ' जैसा उत्तेजनात्मक नारा देना वाला एक परिवारवादी राजनीति का प्रतीक भाजपा नेता संसद में राहुल की जाति पर सवाल खड़ा करते दिखाई दिया।

और अब एक बार फिर राहुल की अमेरिका यात्रा में दिए गये उनके कुछ बयानों को लेकर उनको 'देशद्रोही' तक साबित करने की कोशिश की जा रही है। एक ऐसा केंद्रीय मंत्री जिसे जनता स्वयं एक श्मसखरे श के रूप में जानती है वह पूरे देश में राहुल गाँधी के विरुद्ध 'जूते मारो अभियान' शुरू करने की बात कह रहा है। भाजपा के कई शीर्ष नेता न केवल राहुल गांधी को देशद्रोही बताने में लग गए हैं बल्कि दिल्ली के एक बीजेपी नेता व पूर्व विधायक ने तो सार्वजनिक रूप से यह तक कह दिया है कि "राहुल गांधी बाज आ जा, नहीं तो आने वाले टाइम में तेरा भी वही हाल होगा जो तेरी दादी का हुआ!" यानी सरे आम राहुल को हत्या की धमकी दी जाने लगी है। लगता है कि भाजपा द्वारा राहुल के विरुद्ध तमाम हथकंडे अपनाने के बावजूद उनकी बढ़ती लोकप्रियता और एक साथ दो दो जगहों से लोकसभा में भारी मतों से उनके निर्वाचन के बाद अब उन्हें हिंसा व हत्या के लिये डराना धमकाना ही आखिरी हथियार रह गया है।

परन्तु इस बहस में कुछ बातें तो निरर्थक हैं। जैसे कि राहुल ने अमेरिका में क्या कहा या विदेशों में वे क्या कहते हैं। इंटरनेट व आधुनिक संचार प्रणाली के इस दौर में आज इस बात के तो कोई मायने ही नहीं रह गये कि आप कौन सी बात कहाँ बोलते हैं। दुनिया के किसी भी कोने में बोली गयी कोई भी बात पलक झपकते ही पूरे विश्व में एक साथ प्रसारित हो जाती है। फिर क्या अमेरिका तो क्या भारत। दूसरी बात यह कि राहुल ने अमेरिका में ऐसा क्या नया कहा जो वे यहाँ नहीं कहते ? भारतीय लोकतंत्र पर मंडराते खतरों पर अकेले राहुल ही चिंता व्यक्त नहीं करते। विपक्ष के और भी तमाम नेता,बुद्धिजीवी,नोबेल पुरस्कार विजेता,शिक्षाविद,लेखक व पत्रकार भारतीय लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति व लोकतंत्र पर मंडराते खतरों पर चिंता व्यक्त करते ही रहते हैं। और इन सबसे बड़ी बात यह कि जो लोग सत्ता के इशारे पर या 'किसी को ' खुश करने के लिये राहुल गांधी को देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं उन्हें राहुल गाँधी की वह पारिवारिक पृष्ठभूमि भी देख लेनी चाहिए जिसमें राहुल के पिता राजीव गांधी व दादी इंदिरागांधी को देश की एकता व अखंडता को बचाये रखने के लिये अपनी जानों की कुर्बानी देनी पड़ी थी।

मोतीलाल नेहरू से लेकर जवाहर लाल नेहरू, कमला नेहरू आदि सभी स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले इसी एक परिवार के सदस्य थे। ऐसे घराने से सम्बन्धा रखने वाले राहुल गांधी को वे लोग देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं जिनके अपने दल में महात्मा गांधी,भारतीय संविधान और तिरंगे का अपमान करने वालों की कमी नहीं ? ऐसे लोग राहुल को देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं जिनके पूर्वजों का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तो दूर उनके आसपास के लोग भी उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि से वाकिफ नहीं ? यह अगर खुद कश्मीर में महबूबा मुफ्ती की पी डी पी से मिलकर सरकार बनायें तो वह राष्ट्रवाद परन्तु यदि राहुल या कांग्रेस इनके साथ समझौता करें तो उन पर संदेह और तरह तरह के सवाल ? खुद अगर प्रधानमंत्री मोदी एस पी जी के मना करने के बावजूद नवाज शरीफ की नातिन मेहरुन्निसा की शादी व नवाज शरीफ का जन्म दिन मनाने अचानक पाकिस्तान पहुँच जायें या उनसे पगड़ी,साड़ी व शॉल के तोहफों का आदान प्रदान करें तो यह उनका 'सद्भावना' भरा कदम परन्तु यदि यही काम कोई विपक्षी नेता करे तो वह देशविरोधी या पाकिस्तान परस्त ?

दरअसल राहुल के विरोध का कारण यह सब नहीं जो बताया या प्रचारित किया जा रहा है। बल्कि राहुल के विरोध का कारण भारत सहित पूरे विश्व में उनकी बढ़ती स्वीकार्यता है। साथ ही राहुल भारतीय विपक्ष के अकेले ऐसे नेता हैं जो भाजपा व सत्ता पर ऐसी चोट करते हैं जिससे इनके नेता तिलमिला जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अडानी व मोदी के रिश्ते पर उनके सवालों से भाजपा हमेशा असहज रहती है। रोजगार व मंहगाई पर राहुल के सवालों का इनके पास कोई जवाब नहीं। इसके अलावा राहुल ने अपनी राष्ट्रव्यापी भारत जोड़ो पद यात्रा में भी सत्ता के मंसूबों की पोल खोल कर रख दी थी। इसी यात्रा के बाद कांग्रेस का ग्राफ चढ़ना व भाजपा का ग्राफ नीचे जाना शुरू हो गया था। इसलिये राहुल पर देशद्रोह के इल्जाम लगाना तो मात्र एक बहाना है हकीकत में यह सत्ता की राहुल से नफरत की पराकाष्ठा के सिवा और कुछ नहीं। सही मायने में तो सत्ता का यह दुष्प्रयास भी लोकतंत्र विरोधी ही है।

बढती प्राकृतिक विपदाओं का संकट

—संजीव ठाकुर—

आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बाहर होती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है । आर्थिक तंत्र,विकास नष्ट हो जाते हैं। आपदा की विद्रूपता, भयानक स्वरूप एवं निरंतरता मानव जीवन और समाज और देश को बड़ी हानि पहुंचाकर उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जातें हैं।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग के व्यक्ति तथा मजदूर तबके के व्यक्ति प्रभावित होतें हैं उनकी दिनचर्या सामूहिक रूप से छिन्न–भिन्न हो जाती है आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका की एक बडी विडंबना सताने लगती है।

भारत के भू भाग का लगभग 58: क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68: भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12: है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना रहती है।भारत नें विश्व के साथ–साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लडी है, यह कोविड–19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया था। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ–साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त–दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात,सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड–19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे.सी. पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग–अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 3 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया था।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए–नए उपाय करने चाहिए क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती है।

विकास में इंजीनियरों का योगदान

—मनमोहन सिंह—

पूरे भारत में 15 सितंबर को इंजीनियर्स–डे मनाया जाता है। यह खास दिन देश और दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले इंजीनियरों के काम को सराहने और बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। दरअसल, यह दिन देश के महान इंजीनियर और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की याद में मनाया जाता है। उन्होंने भारत की प्रगति में बहुमूल्य योगदान दिया। डा. एम. विश्वेश्वरैया ने देश में कई बांध बनवाए थे। इनमें कृष्णराज सागर बांध, पुणे के खरकवासला जलाशय में बांध और ग्वालियर में तिगरा बांध शामिल हैं।

इसकी योजना 1909 में बनाई गई थी और 1932 में पूरी हुई। उन्होंने मैसूर सरकार के सहयोग से कई कारखाने और शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए। डा. विश्वेश्वरैया के इन योगदानों के बाद उन्हें देशभर में पहचान मिली। भारत में सिविल इंजीनियरिंग के महान नायक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि देने के लिए हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस मनाया जाता है। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया भारत के पहले सिविल इंजीनियरों में से एक थे , जिन्हें 1955 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। दुनिया भर में विभिन्न इंजीनियरिंग क्षेत्रों में विशेषकर मैकेनिकल, दूरसंचार, सिविल, इलैक्ट्रिकल, मैडीकल और कैमिकल इंजीनियरिंग आदि के प्रसार और विकास के साथ–साथ, इंजीनियरों ने चुनौती को स्वीकार करते हुए मानव जीवन को आरामदायक बनाने के साथ–साथ औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों में भी क्रांतिकारी सुधार लाए हैं। जहां विज्ञान ने विभिन्न क्षेत्रों में तमाम नई तकनीकों का विकास किया है वहीं इन सभी तकनीकों को खोजने और विकसित करने में इंजीनियरों की सोच परिश्रम ही मुख्य आधार है जिसके बिना आज के आरामदायक मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

किसी ने एक इंजीनियर से पूछा कि आप इंजीनियर होने पर अपने आप पर गर्व क्यों महसूस करते हैं? उस इंजीनियर ने बड़े ही दिल से यह बात कही और कहा कि जिस प्रकार कानूनी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विंग के लोगों की अर्थव्यवस्था, न्याय व्यवस्था के माध्यम से न्याय दिलाने पर निर्भर करती है और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे व्यापक क्षेत्र से जुड़े लोगों का भविष्य बीमारियों की रोकथाम पर निर्भर करता है उसी तरह एक इंजीनियर ही है जिसकी समृद्धि पर देश और राष्ट्र की समृद्धि का विकास निर्भर करता है। इसलिए मुझे गर्व है कि मैं उनमें से एक इंजीनियर हूं। पंजाब में अगर किसी संस्था ने किसी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तो वह पावरकॉम यानी पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पी.एस.पी. सी.एल) है, जिसने पंजाब राज्य में विभिन्न श्रेणियों के एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं के परिसरों को रोशन किया है और कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। औद्योगिक क्षेत्र को लेकर इसने पंजाब की आध्थक प्रगति में बहुमूल्य योगदान दिया है। दिल्ली के बाद, पंजाब देश का दूसरा राज्य है जहां सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जाति का भेदभाव किए बिना प्रति माह 2 महीने में 300६600 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जाती है।

पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड, जो पूर्व में पंजाब राज्य विद्युत बोर्ड था, का कई बार कुशल नेतृत्व इंजी. एच.आर. सहित बहुत ही प्रगतिशील और सक्षम इंजीनियरों ने किया था। नवाब सिंह (आई.सी. एस.), इंजी. एच.आर. भाटिया, इंजी. आर.एस. गिल, इंजी. हरबंस सिंह, इंजी. वी. डी. सूद, इंजी. एन.एस. वसंत, इंजी. के.डी. चौधरी और वर्तमान में पंजाब स्टेट पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष सह–प्रबंध निदेशक के रूप में इंजी. बलदेव सिंह सरां पंजाब के सर्वांगीण विकास और समृद्धि के लिए लगातार दिन–रात काम कर रहे हैं जिसके कारण बिजली क्षेत्र में कई नए मील के पत्थर स्थापित किए गए हैं। इनके अलावा इंजी. पदमजीत सिंह, इंजी. पी.एस. सतनाम और इंजी. संदीप गुप्ता आदि के नाम भी उल्लेखनीय हैं जिन्होंने बिजली क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेखक उप सचिव जनसंपर्क विभाग, (सेवानिवृत्त) पी.एस.पी.सी.एल हैं।

तटबंध पर मंडराया खतरा, दो जगह शुरू हुआ रिसाव, सूचना पर पहुंचे अधिकारी

संवाददाता—बहराइच। नेपाल के पहाड़ों पर हुई मूसलाधार बारिश से सरयू उफान पर है। सरयू का पानी जिले के मिहिपुरवा, नानपारा और महसी तहसील में तबाही मचा रहा हैं। रविवार की सुबह बाढ़ के पानी के दवाब से बेलहा– बहरौली तटबंध पर दो स्थानों पर रिसाव शुरू हो गया। जिसके बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गई। सूचना पर पहुंचे कर्मचारी रिसाव बंद करवाने में जुट गए हैं। नानपारा तहसील के बेलहा से निकल कर कैसरगंज के बहरौली तक जाने वाला तटबंध 100 से अधिक गांवों का सुरक्षा कवच है। तीन तहसीलों नानपारा, महसी और कैसरगंज की लगभग 2 लाख आबादी बाढ़ के समय इसी तटबंध के समय सुकून की नींद सोती हैं। लेकिन रविवार की सुबह बांध से गुजर रहे ग्रामीणों ने महसी क्षेत्र में तटबंध पर बेहटा और बिसवा के पास हल्का रिसाव होता देखा। रिसाव होते देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई और तत्काल इसकी सूचना जिला प्रशासन और ड्रेनेज खंड को दी गई। सूचना पर सरयू ड्रेनेज खंड के अवर अभियंता जितेन्द्र वर्मा मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर रिसाव बंद करने की कार्यवाही शुरू की। अवर अभियंता जितेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया की तटबंध पर 61.800 और 62.900 पर सीपेज की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे है। जेपी वर्मा, अधीक्षण अभियंता सरयू ड्रेनेज खंड ने कहा कि जलस्तर बढ़ने के चलते पानी उबाल लें रहा था। सीपेज को मोरंग, गिट्टी, मसाला आदि से बंद करवा दिया गया है। साथ ही तटबंधा पर नजर बनाए हैं। ग्रामीणों ने सीपेज की सूचना दी थी। तत्काल मौके पर टीम भेज कर रिसाव बंद करवा दिया गया है। मामूली रिसाव था, कोई दिक्कत नही है।

आयुक्त ने अपर निदेशक स्वास्थ्य को कठोर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

संवाददाता—गोण्डा। योगी सरकार के निर्देश के क्रम में देवीपाटन मंडल के शशि भूषण लाल सुशील ने रविवार की रात 2 बजे अस्पतालों की हकीकत जानने के लिए। जिले के गोंडादृ बहराइच हाईवे पर आर्यनगर कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुपईडीह का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती कई मरीज और उनके परिजनों से बात कर अस्पताल की हकीकत का पता लगाया। जिस पर कई परिजनों ने बताया कि डॉक्टर दिन में रहते हैं। परंतु रात में चले जाते हैं। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय का एकमात्र कक्ष सर्जिकल वार्ड खुला मिला। जिसमे पूनम निवासी रायपुर मनोरमा तथा उषा निवासी सूबेदार पूर्व सहजनवा की आज ही नॉर्मल डिलीवरी हुई है। मरीजों के परिजनों ने अस्पताल से बाहर की दवा लिखने की भी शिकायत की गई। अस्पताल में भर्ती दो प्रसूताओं के परिजनों ने बताया कि डॉक्टरने दो दृ दो हजार रूपये बाहर की दवा लिखी है।

आयुक्त के निरीक्षण के दौरान कोई भी डॉक्टर मौजूद नही पाया गया। सीएचसी अधीक्षक भी मौजूद नहीं मिलें। इसके अलावा अस्पताल में ना तो कोई चौकीदार पाया गया। ना ही कोई सफाईकर्मी मिला। स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात डॉक्टर के बारे में पता लगाया गया तो पता चला कि वें गोंडा मुख्यालय से आते जाते हैं। हालांकि स्टाफ नर्स व दाई उपस्थित मिली। परन्तु निरीक्षण के दौरान सर्जिकल वार्ड का कक्ष खुलवाने पर स्टाफ नर्स अनुपमा तथा दाई सीमा सोती हुई पाई गईं। उनके अलावा अस्पताल में कोई भी स्टाफ मौजूद नहीं मिला। आयुक्त के निरीक्षण के दौरान अस्पताल में बिजली पाई गई परंतु पता लगाने पर पाया गया कि अस्पताल में जनरेटर मौजूद नहीं है। गर्मी के दिनों में बिजली जाने पर मरीज गर्मी से परेशान रहते हैं। आयुक्त ने अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देवीपाटन मंडल को इस समस्या के बारे में अवगत कराते हुए समाधान करने के निर्देश दिये। आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने अपर निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य देवीपाटन मंडल को पत्र भेज कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुपईडीह की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बताते हुए सीएचसी अधीक्षक तथा अन्य स्टाफ के खिलाफ कार्रवाईकरने के आदेश दिए। साथ में कहा कि सभी चिकित्सालय में रात्रि कालीन डॉक्टर व आवश्यक स्टाफ हर हाल में मौजूद रहे और शासन की मंशा के अनुरूप जन सामान्य को आवश्यक चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराई जाए। भविष्य में अन्य स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करने पर स्थिति में सुधार न पाए जाने की दशा में संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष बने महेश शुक्ला

संवाददाता—गोण्डा। कौड़िया बाजार में रविवार को व्यापारियों की एक बैठक राम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित की गई। जिसमे व्यापार मंडल का गठन किया गया। इसमें महेश शुक्ला को व्यापार मंडल का अध्यक्ष व अनिल गुप्ता को महामंत्री मनोनीत किया गया। बैठक में व्यापारियों ने अपनी समस्याओं पर चर्चा करते हुए व्यापार मंडल का गठन किया। जिसमें महेश शुक्ला को व्यापार मंडल अध्यक्ष, अनिल गुप्ता महामंत्री, परमेश तिवारी, मोनू गुप्ता, सहदेव मिश्रा, कृष्ण गोपाल गुप्ता, तारामल गुप्ता उपाध्यक्ष, वीरेंद्र कुमार सोनी संरक्षक, नरेंद्र सोनी कोषाध्यक्ष तोहिद अहमद मंत्री मनोनीत किया गया। इसमें रिंकू मिश्रा, रितु रस्तोगी, महेश पांडे, सूरज सोनी, पप्पू शुक्ला, हिमांशु सोनी, शंकर गुप्ता, मनोज गुप्ता, विजय गुप्ता, संजय रस्तोगी, पिंटू केडिया, राम पूजन मिश्रा, शिवकुमार शुक्ला, दीप शुक्ला, सतीश गुप्ता, सहित सभी व्यापारी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में पत्नी की मौत, पति घायल

संवाददाता—गोण्डा। खोड़ारे थानाक्षेत्र के दंपति बाइक से सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ स्थित अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे। रास्ते में किसी जानवर के आने से दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे में पत्नी की मौत हो गई जबकि पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच मे जुटी है। खोड़ारे थानाक्षेत्र के घनश्यामपुर ग्रंट निवासी विक्की सिंह अपनी पत्नी ज्योति सिंह के साथ शनिवार शाम बाइक से शोहरतगढ अपने रिश्तेदारी में जा रहे थे। बताया जा रहा है कि भानपुर मार्ग पर गिधार के पास अचानक किसी जानवर के आने से दोनों बाइक समेत सड़क पर जा गिरे। इसमें दोनों पति–पत्नी दोनों गंभीर रूप घायल हो गए तथा बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों ने आनन–फानन घायल दंपति को सीएचसी रुधौली पहुंचाया जहां डाक्टरों ने ज्योति सिंह (28) को मृत घोषित कर दिया। विक्की सिंह को प्राथमिक इलाज के बाद छोड़ दिया। दुर्घटना की खबर पीड़ित के घर व रिश्तेदारी में पहुंचते ही कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव रविवार सुबह गांव पहुंचा तो घर में कोहराम मच गया। ज्योति की शादी घनश्यामपुर ग्रंट के विक्की सिंह से वर्ष 2018 में हुई थी। दोनों से लगभग चार साल आठ माह की एक बेटी आनवी तथा दो साल का एक बेटा शिवा है। मां की मौत से अनजान दुधमुंहा बेटा बार–बार मां की तरफ दौड़ता तो कभी पापा की तरफ। बच्चों की बेबसी को देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखों में आंसू छलक उठे।

धधकती मिली कच्ची शराब की भट्टी, टीम ने तोड़ी

संवाददाता—गोण्डा। पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने वजीरगंज के ग्राम पुरैना में आकस्मिक दबिश दी । दबिश के दौरान अवैध शराब की भट्टी चलती हुई पाई गई। 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद करते हुए मौके पर मिले 200 किग्रा लहन व भट्टी नष्ट की। जिला आबकारी प्रगल्भ लवानिया ने बताया कि कच्ची शराब के विरुद्ध यह अभियान चलता रहेगा। टीम ने वजीरगंज थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

दीवार गिरने से चोटिल दुधमुंही ने भी दम तोड़ा

संवाददाता—गोण्डा। इटियाथोक क्षेत्र के अयाह के भड़जोतिया मजरे में बीते शुक्रवार को रियाज अहमद के घर की एक तरफ की मिट्टी की दीवार गिरने से उसमें उनकी पत्नी साजिदा बेगम अपने दुधमुंही बच्ची हलीमा के साथ दब गई। हादसे में साजिदा बेगम (40) की मौके पर मौत हो गई और दुधमुंही बच्ची हलीमा गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के दिन परिवार के लोग घायल बच्ची का इलाज के लिए स्थानीय इटियाथोक ले गए उसकी हालत में सुधार देख परिवार के लोग घर ले आए। शनिवार की रात में दुधमुंही बच्ची की हालत खराब हुई तो ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इबरार खान पीड़ित परिवार के साथ बच्ची को गोंडा मेडिकल कालेज में भर्ती करवाया जहां उसकी रविवार की सुबह मौत हो गई। हादसे में मां बेटी की मौत से पूरा गांव गमनीम हो गया। रविवार की दोपहर सूचना पर पहुंचे नायब तहसीलदार अनुराग पांडेय और हल्का लेखपाल मैनुद्दीन अंसारी ने पीड़ित परिवार से जानकारी ली। नायब तहसीलदार ने बताया पीड़ित परिवार को शासन स्तर से आर्थिक सहायता दिलाने के लिए मृतका के पति रियाज अहमद से जरुरी कागजत जमा कराए गए है साथ ही पीड़ित परिवार को राहत सामग्री भी दी गई है। तीन दिन में दो मौत से सहम गया भड़जोतियारू शुक्रवार की देर शाम रियाज अहमद के घर की एक तरफ कच्ची दीवार के सहारे बैठी उसकी पत्नी अपनी दो माह के दुधमुंही बच्ची हलीमा को दूध पिला रही थी। इसी दौरान कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से पत्नी साजिदा बेगम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। तीन दिनों में मां–बेटी की मौत होने से गांववाले भी गमजदा हैं। निर्धन परिवार से ताल्लुक रखने वाले रियाज अहमद भी पूरी तरह टूट चुके है। वह भी एक तरफ बैठ बदहवास गुमसुम से है।

बकरी को जबड़े में दबोच टहलते हुए निकल गया तेंदुआ

संवाददाता—बलरामपुर। तेंदुआ देख गृह स्वामी ने भयवश चादर ओढ़ ली। चारपाई के बगल में बंधी बकरी को तेंदुए ने जबड़े में दबोचा और टहलते हुए आराम से निकल गया। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत बदलपुर के मजरे उदईपुर में शनिवार रात हुई है। इस गांव में तेंदुआ दो बकरियों को पहले भी निवाला बना चुका है। जानकारी देने के बावजूद वन विभाग की टीम गांव तक नहीं पहुंची है। ग्रामीणों में भय के साथ–साथ आक्रोश भी है। रविवार को गांव में पिंजड़ा लगाकर तेंदुआ पकड़ने की मांग तूल पकड़ गई। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर गुस्से का इजहार किया। इसी थाना क्षेत्र के महदेइया गांव में तेंदुए ने शनिवार रात निराश्रित बछड़े को निवाला बनाया है। गांव के दक्षिण सागौन बाग की झाड़ियों में तीन मवेशियों के अवशेष पड़े मिले हैं। शनिवार रात उदईपुर निवासी महमूद फूस के मड़हे में सोये थे। तेंदुए के डर से बकरियों को अपने सिरहने खूंटे से बांध रखा था। देर रात टटिया फटने की आवाज पर उनकी नींद टूट गई। वह उठकर बैठ गए। टार्च जलाया तो सामने तेंदुआ खड़ा दिखा। महमूद चादर ओढ़कर विस्तर से दुबक गए। तेंदुआ बकरी के करीब पहुंचा और जबड़े में जकड़कर टहलते हुए घर से बाहर निकल गया। कुछ देर तक महमूद के मुंह से आवाज नहीं निकली। जानकारी पाकर पड़ोसियों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन तेंदुआ बकरी समेत अंधेरे में गुम हो चुका था। सुबह बकरी के अवशेष गांव के बाहर पड़े मिले। नथई, प्रदीप, बब्बन आदि ने बताया कि एक सप्ताह के बीच तेंदुए ने तीन बकरियों का शिकार किया है। सूचना दिए जाने के बावजूद वन कर्मी गांव तक नहीं आए। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर गुस्से का इजहार किया। कहा कि गांव में पिंजड़ा लगाकर तेंदुए को पकड़ना होगा।

कांग्रेसी 18 को करेंगे मंडल स्तरीय धरना प्रदर्शन

संवाददाता—गोण्डा। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से आगामी 18 को मंडल स्तरीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। रविवार को जिला कार्यालय में पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक करके रणनीति बनाई गई। अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्रा ने की। बताया कि यूपी में ध्वस्त कानून व्यवस्था और पुलसिया उत्पीड़न को लेकर मंडल स्तरीय धरना प्रदर्शन की रणनीति तैयार कर ली गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर सभी मंडल मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाना है। देवीपाटन मंडल का मुख्यालय गोंडा में होने से यहां प्रदर्शन किया जाना है। जिसमें चारों जिले से पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी के प्रवक्ता शिवकुमार दुबे, पीसीसी सदस्य जलील खान, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुभाष पांडे सेवादल के प्रदुम्न शुक्ला ने भी प्रदर्शन को सफल बनाने के सुझाव दिए। बैठक में पीसीसी सदस्य राम श्रृंगार भारती जिला उपाध्यक्ष संतोष ओझा, विनय प्रकाश त्रिपाठी, वाजिद अली महासचिव अरविंद शुक्ला, चांद खान, शाहिद अली कुरैशी सभासद, सलीम कुरैशी, राम जनक वर्मा, भूपेंद्र द्विवेदी अभय सिंह, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, धर्मराज सिंह, अरूण तिवारी, उमेश भारती, ज्ञानचंद श्रीवास्तव, डा जफर अशफाक, इबाद अनवर, दिनेश यादव, विनोद, जानकी देवी आदि रहे

अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें ग्राम प्रहरी —प्रभारी निरीक्षक

संवाददाता—गोण्डा। नवागत प्रभारी निरीक्षक थाना कौड़िया दुर्ग विजय सिंह ने रविवार को क्षेत्र के सभी ग्राम प्रहरियों के साथ बैठकर अपराधियों, हिस्ट्रीशीटर, शरारती तत्वों के बारे में जानकारी करते हुए सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में प्रभारी निरीक्षक दुर्गा विजय सिंह ने ग्राम प्रहरियों से परिचय, तैनाती वाले गांवों, गांव के हिस्ट्रीशीटर , अपराधियों, जिलाबदर व अफवाह फैलाने वाले शरारती तत्वों के बारे में जानकारी करते हुए कहा कि पुलिस के लिए ग्राम प्रहरी सूचना की महत्वपूर्ण कड़ी होती है। ऐसी स्थिति में सभी लोग अपने कार्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक करते हुए गांव की छोटी, बड़ी घटनाओं, अफवाहों, गांव में बाहरी व संदिग्ध व्यक्तियों के आने की सूचना तुरंत बीट उपनिरीक्षक व पुलिसकर्मियों को देने के निर्देश दिया। प्रभारी निरीक्षक ने इससे पहले सभी पुलिसकर्मियों, ग्राम प्रधान, संभ्रांत व्यक्तियों व ग्राम प्रहरियों के साथ बैठक की। इसमें करम चन्द्र मिश्रा, प्रेम , शिव कुमार, बजरंग, अशोक कुमार, बंसत लाल, आशाराम, विश्वनाथ, शिव शरन आदि रहे।

किसानों की समस्याओं पर करेंगे आंदोलन

संवाददाता—गोण्डा। उत्तर प्रदेश किसान सभा जिला कौंसिल की बैठक रविवार को किसान नेता वरिष्ठ साथी ओम प्रकाश के आवास पर प्रान्तीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष दीनानाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 20 सितम्बर से 25 नवंबर तक सघन किसान जागरण व सदस्यता अभियान चलाने तथा विकास खंड मुख्यालयों पर धरना देने के साथ–साथ धान क्रय केदो व गन्ना क्रय केंद्रो पर किसान समस्या के समाधान के लिए किसान मीटिंगों को करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्षत ने कहा कि जागरण अभियान के बाद 26 नवंबर किसानों का प्रदर्शन व ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम होगा। बैठक में ओमप्रकाश, कल्लू शाह, राम किशोर, गुलाम हुसैन, हनुमान तिवारी, अक्षय कुमार, मोनू, राम किशोर भारती, राजेश तिवारी, भरत लाल तिवारी, अबरार अहमद, तिलक राम तथा अशोक तिवारी आदि उपस्थित रहे। संचालन जिला मंत्री अरुण त्रिपाठी ने किया। किसान सभा जिला कौसिंल की बैठक में रविवार को कम्युनिस्ट नेता सीताराम येचुरी को मौजूद नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके निधन को वामपंथी आन्दोलन के साथ–साथ जनवादी राजनीति की बड़ी क्षति बताया। बैठक में प्रान्तीय उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश किसान समा दीनानाथ त्रिपाठी व ओम प्रकाश, राम किशोर भारती, जमाल अहमद, रामकिशोर कल्लू शाह, तिलकराम, हनुमान तिवारी, ननकऊ नेता, राजेश तिवारी, नोनू, गुलाम हुसैन तथा अरूण त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

तालाब व नाले में डूबकर वृद्ध समेत दो की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। घर से बाजार गए व्यक्ति की तालाब में व खेत गए किसान की नाले में डूबकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस की ओर से खोज कराकर शवों को बाहर निकलवाया गया। फिर पुलिस ने पंचनामा कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नवीन मार्डन पुलिस थाना श्रावस्ती क्षेत्र के कंजड़पुरवा कुसबंधियन डेरा निवासी हजारीलाल (58) पुत्र रामदीन किसी काम से शनिवार देर शाम को साइकिल लेकर घर से कटरा बाजार गए थे और देर रात तक घर नहीं लौटे। इस पर परिजन हजारीलाल की तलाश करने लगे। काफी खोजबीन के बाद भी कहीं पता नहीं चला। रविवार सुबह कटरा बाईपास पर कुसबंधियन डेरा के निकट स्थित तालाब के पास कटरा बौद्ध परिपथ की पटरी पर लोगों ने साइकिल व चप्पल पड़ा देखा। इस पर लोगों ने परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने हजारी के तालाब में डूबने की आशंका जताई और पुलिस को सूचित किया। लोगों की सूचना पर नवीन मॉर्डन पुलिस थाना श्रावस्ती के थाना प्रभारी गणनाथ प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से तालाब में खोजबीन शुरू कराई। इस दौरान तालाब से हजारीलाल का शव बरामद किया गया। शव देखते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक गणनाथ प्रसाद ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद कारण पता होने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पकड़िया निवासी रामउग्गर तिवारी (70) शनिवार शाम को फसल देखने खेत में गए थे। फसल देखकर वह वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान गांव के पूरब दिशा में बह रहे नाले के पास पहुंचते ही पैर फिसल गया और वह नाले में गिरकर डूब गए। देर रात तक वह घर नहीं लौटे तो परिजना उनकी तलायश करने लगे। लेकिन कहीं सुराग नहीं लगा। रविवार सुबह गांव से कुछ ही दूरी पर नाले में उनका शव उतराता दिखाई दिया। ग्रामीणों ने शव देख परिजनों को सूचित किया। मौके पर पहुंचे परिजनों की ओर से घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया। साथ ही पंचनामा भरकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छात्रसभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए प्रवीण प्रताप सिंह

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय अध्यक्ष छात्र सभा डा इमरान ने अपनी कार्यकारणी में प्रवीण प्रताप सिंह को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नामित किया, अपने मनोनयन पर प्रवीण प्रताप सिंह ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी व राष्ट्रीय अध्यक्ष छात्र सभा डा इमरान जी ने जो विश्वास मुझ पर किया है उनके विश्वास पर खरा उतरने का काम करूंगा आज भाजपा सरकार छात्र संघ का चुनाव नही कराना चाहती उसकी मंशा है कोई छात्र नेता महाविधालय से न निकले, लेकिन उनकी इस मंशा को कभी पूरा नहीं होने देंगे हम समाजवादी साथी, जल्द एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा महानगर प्रवक्ता राकेश यादव

एडवोकेट ने बताया इनके मनोनयन पर सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन, पूर्व विधायक आनंदसेन यादव, पूर्व विधायक सै अब्बास अली जैदी रुश्दी, हाजी फिरोज खान गब्बर, जिला अध्यक्ष पारस नाथ यादव, महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, जिला महासचिव बख्तियार खान, महासचिव हामिद जाफर मीसम, प्रदेश सचिव राम अचल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष यूथ मो सुहैल सहित सभी ने बधाई व शुभकामनाएं दी।।

निकला शानो शौकत से जुलूस–ए–मोहम्मदी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या । पैगंबर इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन के मौके पर राम की नगरी अयोध्या में जुलूसे मोहम्मदी बड़े ही अदबो–एहतेराम के साथ रविवार को निकला। इस मौके पर एक दर्जन से अधिक नात पढ़ने वाली अंजुमनों ने शिरकत करते हुए माहौल को इश्के रसूल से रूबरू करा दिया। बता दे कि अरबी महीना के माहे रवि अव्वल की 12 तारीख को पैगंबरे–इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब का जन्मदिन पूरी दुनिया में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। वहीं जब जुलूस अशर्फी भवन पहुंचा जहां पर सर्वधर्म सम्मान सेवा समिति के बैनर तले नातिया मुकाबला का आयोजन संपन्न हुआ एवं दर्जनों जगह विभिन्न समितियां द्वारा स्टेज लगाकर जुलूस का पुष्प वर्षा से इस्तकबाल एवं स्वागत किया गया ।जिसमें नाते–मुशायरा पढ़े जाने वाले बच्चों को सम्मानित एवं उत्साह वर्धन किया गया। एक दर्जन से अधिक नात पढ़ने वाली अंजुमनों को सर्वधर्म सम्मान सेवा समिति के संरक्षक व वरिष्ठ समाज सेवी मोहम्मद इरफान उर्फ नंन्हे मियां ने इनाम देकर हौसला अफजाई की। युवा समाजसेवी इमरान अंसारी, सुल्तान अंसारी पार्षद व नगर निगम कार्यसमिति के सदस्य वा नौशाद आलम ने सर्व धर्म सम्मान समिति की तरफ से आयोजित नातिया मुकाबला के मंच का संचालन किया।

इसी क्रम अयोध्या अयोध्या मुस्लिम अंजुमन दरगाह कमेटी के अध्यक्ष काशिफ शेख चौधरी के द्वारा बताया गया कि ये पर्व अयोध्या नगर में कई वर्षों से एक दिन पूर्व यानी की इस्लामिक कैलेंडर के हिसाब से 11 रवि अव्वल को मनाया जाता है। अयोध्या में जुलूस–ए–मोहम्मदी बड़े ही शानो शौकत के साथ बक्सरिया टोला में स्थित हजरत शेख शमसुद्दीन फरियाद–रस रहमतुल्ला ताला अलेह के आस्ताने से निकलता है। जुलूस–ए–मोहम्मदी अयोध्या के बक्सरिया टोला स्थित शेख शमसुद्दीन फरियाद रस रहमतुल्लाह अलेह के आस्ताने से निकलकर ऋणमोचन चौराहा होते हुए अशर्फी भवन पहुंचा। इसके बाद जुलूस –ए– मोहम्मदी अशर्फी भवन होकर कटरा पुलिस चौकी, आलमगंज कटरा, दोराही कुआं, टेढ़ी बाजार कजियाना होते हुए रेलवे स्टेशन के पास स्थित हजरत जैनुलाब्दीन उर्फ बिजली शहीद बाबा की मजार पर जाकर समाप्त होता है।इस मौके पर सर्व धर्म सम्मान समिति के इस मंच पर मोहम्मद इरफान अली (नन्हे मियां), इमरान अंसारी ,सुल्तान अंसारी(पार्षद) , महताब खान (पत्रकार),मो कैफ, हाफिज मोहम्मद असलम, हाजी अच्छन खां, हाजी असद अहमद,हाजी सईद अहमद, काशिफ शेख चौधरी, सारिक खान, कलीम सिद्दीकी ,मोहम्मद शादाब शेख, मोहम्मद सिराज शेख, मोहम्मद शाहबाज शेख, सोहेल खान, जुनैद खान,नौशाद आलम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

डेमो देने खेत में उतर गए विधायक फसल में छिड़काव कर दिखाया

संवाददाता—महराजगंज। ठूठीबारी क्षेत्र के ग्राम रामनगर में कृषि किसान एवं सहकारिता विकास की ओर से किसान सभा का आयोजन किया गया। इसमें इफको प्रोडक्ट नैनो यूरिया प्लस व डीएपी उर्वरक के विषय में मौजूद किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई। सिसवा विधायक प्रेमसागर पटेल ने किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित किया। खुद डेमो देने नैनो यूरिया लेकर खेत में उतर गए। छिड़काव कर लोगों को नैनो यूरिया के छिड़काव का तरीका बताया। विधायक ने कहा कि मोदी मिशन के तहत किसानों को आत्म निर्भर बनाने के लिए इफको द्वारा निर्मित नैनो यूरिया प्लस और डीएपी किसानों के लिए लाभदायक है। इसके प्रयोग से मिट्टी की दिशा और दशा दोनों में सुधार होगा। साथ ही किसानों काम खर्च में बेहतर लाभ मिलेगा। इस मौके पर खुद विधायक ने टंकी में नैनो प्लस यूरिया का घोल लेकर छिड़काव कर किसानों को डेमो प्रस्तुत किया। किसानों ने इफको उत्पाद के नैनो उर्वरक के प्रयोग करने की बात कही। इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि इसके प्रयोग से किसानों को क्रांतिकारी लाभ मिलेगा। किसानों को कृषि में उत्पाद बढ़ाना है तो इफको द्वारा उत्पादित नैनो को कृषि कार्य में जरूर उपयोग करना होगा। उन्होंने बताया कि किसान बोरे वाली खाद, यूरिया और डीएपी का उपयोग कर रहे हैं, जिसका 70 फीसदी हिस्सा मिट्टी में घुलनशील होकर खराब हो जाता है। 30 फीसदी हिस्सा ही फसलों को मिलता है। वहीं इसके रेट में भी चौगुना का अंतर होता। इस मौके पर निपेंद्र विक्रम सिंह, इंटू सिंह, राज कुमार प्रजापति, जितेंद्र पटेल, गणेश तिवारी, सुरेश चौधरी, धीरज चौधरी, डोमई चौधरी सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

महिला प्रधान से अभद्रता पर तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता—गोण्डा। थाना क्षेत्र के ग्राम रेक्सड़िया में आवास को लेकर पंचायत की खुली बैठक में शामिल होने जा रही महिला प्रधान के साथ रास्ते में अभद्रता व धमकी दिए जाने के मामले में थाने में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। प्रधान रेनू देवी यादव का आरोप है कि गांव के विकास कार्यों के संबंध दुष्प्रचार किया जा रहा है जिससे उसकी क्षवि धूमिल हो रही है। थानाध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि प्रधान की ओर से घटना के तीन दिन बाद मिली तहरीर पर ग्राम के ही दिगम्बर यादव, सरवन यादव व ओम प्रकाश के खिलाफ धमकी व अपशब्द कहने का केस दर्ज किया गया है।

गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन ने मरीजों को फल वितरित किए

संवाददाता—गोण्डा। दावत–ए–इस्लामी इंडिया से जुड़े गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने रविवार को जश्न–ए–ईद मीलादुन्नबी के मौके पर बाबू ईश्वरशरण अस्पताल में मरीजों को फल बांटे। टीम और वॉलंटियर्स ने मिलकर फल के तकरीबन दो सौ पैकेट तैयार किए थे जो मरीजों को दिए गए। इस नेक काम में संस्था से जुड़े लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

त्योहार सकुशल सम्पन्न कराने को पुलिस की नौ टीमें गठित

संवाददाता—श्रावस्ती। 15 से 17 सितम्बर तक गणेश प्रतिमा विसर्जन व बारावफात के जुलूस प्रस्तावित है। जूलूसों को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस महकमें की ओर से सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। तैयारियों के क्रम में एसपी ने ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मचारियों को ब्रीफ कर जरूरी निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने रविवार को त्योहार की सुरक्षा ड्यूटी में लगे सभी पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को जरूरी निर्देश देते हुए उन्हें ब्रीफ किया। एसपी ने त्योहार के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए। चौकसी रखते हुए सतत निगरानी की जाय। जिससे किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को पहले ही रोका जा सके। उन्होंने कहा कि सभी लोग सतर्कता के साथ ड्यूटी करेंगे। ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने जनपदीय नियन्त्रण कक्ष , एलआईयू को सक्रिय रहने व सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नियमित निगरानी रखने तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी को अपनी टीम के साथ निर्धारित प्वांइट पर पूर्ण व्यवस्था के साथ मौजूद रहने के लिए आदेशित किया। एसपी ने बताया कि जुलूसों को शान्तिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जनपद में विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की कुल नौ टीमों का गठन किया गया है। जितने भी जुलूस प्रस्तावित है उसमें ड्यूटी बॉक्स फार्मेशन में लगायी गयी है। प्रत्येक टीम के प्रभारी निरीक्षक स्तर के अधिकारी सहित कुल 18 कर्मचारी होगें। इसके अतिरिक्त तीन प्लाटून पीएसी व एक प्लाटून फ्लड पीएसी भी लगायी गयी है। सम्पूर्ण पुलिस बल की ड्यूटी दंगा नियंत्रण उपकरण के साथ लगायी गयी है। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ भिनगा सन्तोष कुमार, सीओ इकौना सतीश कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी यातायात पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षु आलोक कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

भारत ने दिया है 'जियो और जीने दो' का सच्चा लोकतंत्र -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में जब सभ्यता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति आग्रह नहीं था। तब भारत मे सभ्यता, संस्कृति और मानवीय जीवन मूल्य चरम पर थे। भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से लेकर अर्वाचीन काल तक लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है। इसका उद्देश्य किसी का हरण करना या किसी पर जबरन शासन करना नहीं था बल्कि इसकी भावना 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की रही है। इसका नया स्वरूप आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' के संकल्प में दिखता है। हमारी ऋषि परंपरा जियो और जीने दो की रही है क्योंकि यही सच्चा लोकतंत्र है और इस मूल्यपरक लोकतंत्र को किसी और ने नहीं बल्कि भारत ने दिया है। सीएम ने अपने भाषण में कहा कि देश में कुछ लोगों पर गुलामी की मानसिकता आज भी हावी है।

सीएम योगी रविवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के पहले दिन 'लोकतंत्र की जननी है भारत' विषयक सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र को लेकर वैदिक कालखंड से लेकर रामायणकालीन और महाभारतकालीन अनेक उद्धरण देखने को मिलते हैं। भारत के लोकतंत्र में प्राचीन समय से लेकर आज तक जनता की आवाज और जनता के हित को ही सर्वोपरि रखा गया है।

सीएम ने आगे कहा कि भारतीय सभ्यता में हमेशा ही यह कह गया है कि प्रजा का सुख ही राजा का दायित्व है। रामायण काल में भगवान श्रीराम ने भी अक्षरशः जनता की आवाज को महत्व दिया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी खुद को कभी राजा नहीं समझा। उनके समय में वरिष्ठ व्यक्ति के नेतृत्व में गणपरिषद शासन का कार्य देखती थी। द्वारिका में जब अंतर्द्वंद्व प्रारंभ हुआ तब इस परिषद के सदस्य आपस में लड़कर मर–मिट गए। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने परिषद के सदस्यों की दुर्गति पर कहा था कि राज्य के नियम प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से लागू होते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में कुछ लोगों पर गुलामी की मानसिकता आज भी हावी है। जबकि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन समय से ही गहरी रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत तब गुलाम हुआ जब लोकतंत्र की विरासत को संजोने में चूक हुई। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में निरंकुश राजा को सत्ताच्युत करने का अधिकार जनता के प्रतिनिधित्व वाले परिषद के पास होता था। लोकतंत्र में यह स्पष्ट है कि जनता का हित ही सर्वोच्च है। प्राचीन काल में देखें तो वैशाली गणराज्य इसका एक उदाहरण है जहां पूरी व्यवस्था जनता के हितों के लिए समर्पित थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी भारतीयों को अपने लोकतंत्र पर और लोकतांत्रिक मूल्यों पर चलकर तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा लोकतंत्र तभी तक सुरक्षित है जब तक हमारा संविधान सुरक्षित है। संविधान को पवित्र भावना से, जाति, मत, मजहब, क्षेत्र से ऊपर उठकर इसे सुरक्षित–संरक्षित रखने का दायित्व सभी लोगों को उठाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए आगे बढ़ेंगे तो हमारा लोकतंत्र और मजबूत–पुष्ट होगा।

'लोकतंत्र की जननी है भारत' विषयक सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के संस्कार पांच हजार वर्ष पुराने भारतीय मूल्यों से गढ़े गए हैं। सही मायने में भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही लोकतंत्र चल रहा है।

हरिवंश नारायण सिंह ने आगे कहा कि खुलकर अपनी बात रखना ही लोकतंत्र का यथार्थ है और यह मूल्य भारत की हजारों वर्षों की परंपरा में निहित रहे। भारतीय लोकतंत्र में जनता को हर प्रकार की आजादी के साथ खामी को भी ठीक करने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी मूल्यों से प्रभावित लोगों ने ही भारतीय लोकतंत्र को आयातित समझने की भूल की है। इस भूल का कारण यह रहा कि भारतीय लोकतंत्र को यूनान को नजर से देखने की आदत डाली गई। उन्होंने कहा कि भारत को आजादी मिलने के बाद कई विदेशी विद्वानों ने कहा था कि भारत में लोकतंत्र टिकेगा नहीं और आज उसका जवाब यह है कि अगले साल हम संविधान लागू होने का अमृत वर्ष मनाने जा रहे हैं। श्री हरिवंश ने कहा कि आज भारत अपने को लोकतंत्र की जननी के वास्तविक नजरिये से दुनिया के सामने पेश कर रहा है। पहले इस विषय पर चर्चा नहीं होती थी। आज भारत ने जी–20 सम्मेलन का माध्यम से इस पर बात की। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी भारतीय लोकतंत्र को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श को ऐसे आयोजनों से आगे बढ़ा रहे हैं।

राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में वेद, पुराण, उपनिषद की और ऋषियों की परंपरा के मूल्य थे। हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ध र्म मार्गदर्शक की भूमिका में था इसलिए हमारे यहां आततायी शासकों का वर्णन नहीं मिलता है। राजा, देवता, जनता सभी धर्म से बंधे थे। भारत मे त्याग और नैतिकता की परंपरा रही है। इसीलिए राजा सर्वशक्तिमान होकर भी स्वेच्छाचारी नहीं था। चक्रवर्ती सम्राट को भी ध र्मदंड से चेतावनी दी जाती थी।

उपसभापति ने कहा कि अब्राहम लिंकन द्वारा लोकतंत्र की परिभाषा देने से 2700 वर्ष पूर्व कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कहा गया है कि प्रजा के सुख में राजा का सुख निहित है। अशोक के धौली शिलालेख में लिखा है, सारी प्रजा मेरी संतान है। यह सब लोकतंत्र के मूल्य ही तो हैं। अथर्ववेद में भी लोकतांत्रिक प्रणाली का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश इतिहासकार थॉमसन ने कहा था कि लंदन के हाउस ऑफ कॉमंस के नियम भारत की पुरानी सभाओं से लिए गए लगते हैं। जार्ज बर्नार्ड शॉ ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा था कि ग्रीक और रोम की सभ्यता मिट गई लेकिन भारत की सभ्यता, संस्कृति कैसे बची रही, यह रहस्यमय है। वास्तव में इसका सीक्रेट यह है कि भारत की सभ्यता और संस्कृति वेदों, पुराणों की है, ऋषियों की है। भारत की सभ्यता, संस्कृति पुराने मूल्यों से बची रही।

हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी इसलिए कहा जाता है कि यहां प्राचीनकाल से गांव स्तर तक लोकतंत्र सम्मत आत्मशासन की व्यवस्था थी। जनजातीय क्षेत्रों में भी लोकतांत्रिक मूल्यों वाली स्थानीय परिषदें थीं। भारत के भक्ति आंदोलन ने भी लोकतंत्र की अलख जगाकर इसे सम्पुष्ट किया।

राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि भारत में आजादी के बाद अब जाकर देश के अगले सौ साल का रोडमैप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बना है। उन्होंने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक लाख युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया है। जबकि चीन ने 1947–48 में ही अपने लिए सौ साल की कार्ययोजना बना ली थी। सत्तर के दशक में चूक हुई और चीन हमसे पांच गुना आगे बढ़ गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रामराज की संकल्पना साकार करने वाला बताते हुए श्री हरिवंश ने कहा कि रामराज की स्पिरिट योगी जी में दिखती है। समान रूप से सबको न्याय, सुरक्षा के पुरातन भारतीय मूल्य योगी जी की कार्यपद्धति में नजर आते हैं। राज्यसभा के उपसभापति ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि अतीत के महापुरुषों को याद करना भविष्य के लिए प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में इन दोनों गोरक्षपीठाधीश्वरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का जीवन भारतीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहा।

सम्मेलन में विषय प्रवर्तन करते हुए उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द गुप्त ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक शासन की परंपरा अति प्राचीन है। भारत में लोकतंत्र का सिद्धांत वेदों से निकला है। लोकतंत्र का वर्णन ऋग्वेद और अथर्ववेद में भी मिलता है। ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार गणतंत्र शब्द का उल्लेख है। विश्व मे सबसे पहले कहीं लोकतंत्र के भाव का प्रादुर्भाव हुआ तो वह भारत ही है। सम्मेलन को सवाई, आगरा के ब्रह्मचारी दास लाल और सुशीव किलाधीश अयोध्या के स्वामी विश्वेष प्रपन्नाचार्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, अयोध्या से आए महंत सुरेश दास, कटक से आए महंत शिवनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, मिथिलेशनाथ, राममिलन दास, कर्नाटक से आए भयंकरनाथ, अहमदाबाद से आए कमलनाथ, रविंद्रदास भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एसपी को हटाने की मांग पर अड़े अपना दल विधायक, सिद्धार्थनगर में 6 दिन से दे रहे धरना

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसपी प्रायी सिंह को हटाने की मांग लेकर शोहरतगढ़ सीट से अपना दल (एस) विधायक विनय वर्मा पिछले छह दिन से धरने पर बैठे हैं। विधायक का कहना है कि अब यह सरकार को तय करना है कि जनता का सम्मान रहेगा या एसपी रहेगी। उनका धरना तभी समाप्त होगा जब एसपी हटा दी जाएंगी। विधायक विनय वर्मा ने एसपी पर तमाम आरोप मढ़े। उन्होंने कहा कि थानों को बेचा जा रहा है। यह बात जनता भी जान रही है। जनता की तो बात दूर, जनप्रतिनिधियों की भी सुनवाई नहीं हो रही है। वह एक मामले में थाने से लेकर आला अधिकारियों से मिले लेकिन पीड़ित को न्याय दिलाने की बजाए हर कोई एक–दूसरे पर टालता रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तक को गुमराह किया जाता है।

विधायक ने कहा कि शोहरतगढ़ क्षेत्र में अवैध खनन के दौरान ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटने से उसमें आग लग गई। चालक की जलकर मौत में हो गई। दोषी कुछ प्रभावशाली लोगों को बचाने में एसओ डेवरुआ जुटे रहे। एसपी समेत सभी उच्चाधिकारियों से शिकायत की। पुलिस अफसरों ने मुख्यमंत्री को भी गुमराह किया। विधायक ने आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष द्वारा अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया जाता रहा। यह सब एसपी के इशारे पर हो रहा है। इससे दुखित होकर और जनता को न्याय दिलाने तथा पुलिसिया आतंक से छुटकारा दिलाने के लिए वह धरने पर बैठे हैं।

विधायक के धरना स्थल के आसपास सुबह से ही भारी संख्या में पुल बल तैनात है। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय दिखाई दी। धरना के लिए दिए गए समय 11 बजे जब विधायक नहीं आए तो अनुमान लगाया जाने लगा था कि वह नहीं बैठेंगे लेकिन शाम को वह अपने लावलश्कर के साथ धरना स्थल पर पहुंच गए और धरना शुरू कर दिया।

शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा की ओर से एसपी और शोहरतगढ़ प्रभारी निरीक्षक के विरुद्ध की गई शिकायत का विधानसभा अध्यक्ष ने संज्ञान लिया है। प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने पुलिस महानिरीक्षक बस्ती से सुस्पष्ट आख्या तलब की है। प्रमुख सचिव ने पत्र भेज कर कहा कि विधायक ने डेबरुआ थाना क्षेत्र में अवैध बालू कार्य में लगे ट्रैक्टर पलटने व आग लगने से चालक मायाराम की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज न किए जाने, उनकी विधानसभा क्षेत्र के थानाध्यक्षों को विधायक की बात न सुनने व न मानने के निर्देश देने, शोहरतगढ़ थाने के प्रभारी निरीक्षक द्वारा अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने व उनकी विधानसभा क्षेत्र में ड्रग्स एवं अन्य वस्तुओं की होरही तस्करी पर एसपी की ओर से कोई कार्रवाई न करने के विषय में विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की है। इस बारे में मुझे आपसे यह कहने का निर्देश हुआ है कि मामले में विधायक की ओर से लगाए गए आरोपों के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट आख्या तत्काल उपलब्ध कराएं। जिससे विधानसभा अध्यक्ष को अवगत कराया जा सके। च के राष्ट्रीय महासचिव और अखिल भारतीय प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष शेषमणि प्रजापति एडवोकेट धरनास्थल पर पहुंचे। बढ़नी के कई सभासदों ने भी विधायक को समर्थन दिया। समर्थन देने वालों में कन्हैया लाल मित्तल, मनोज यादव, आसमा खातून, निसार अहमद, रजीउद्दीन, दीपमाला आदि शामिल हैं। वहीं आल इंडिया इंडस्ट्रीज और विजनेस वेलफेयर आर्गनाइजेशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय मित्तल ने भी विधायक के धरने को समर्थन दिया है। विधायक विनय वर्मा ने आरोप लगाया कि शोहरतगढ़ पुलिस मेरे कार्यकर्ताओं को धमका रही है। वह लोगों को मेरे पास आने से रोक रही है। विधायक ने कहा कि हम शांतिपूर्वक धरना दे रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस महकमा कार्यकर्ताओं को धमका रही है। अगर मेरे कार्यकर्ताओं के साथ कुछ भी हुआ तो उसकी सारी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी डीएम को दे दी है।

एंबुलेंस में गूंजी किलकारी, जच्चा–बच्चा स्वस्थ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के बगरवां गांव निवासी जन्नतुन्निशा को शनिवार की रात प्रसव पीड़ा होने लगा। अचानक उठे प्रसव पीड़ा के दौरान एंबुलेंस 102 को सूचना देकर बुलाया गया। गर्भवती को परिजन एंबुलेंस से बेंवा सीएचसी ले ही जा रहे थे कि बीच रास्ते में सिलोखरा चौराहा के पास ही गर्भवती ने बच्चे को जन्म दे दिया। इस दौरान परिजन जच्चा–बच्चा को सीएचसी ले जाकर भर्ती कराए। जांच में दोनों स्वस्थ हैं। आशा विमलेश देवी ने बताया कि प्रसव पीड़ा उठने की जानकारी पर एंबुलेंस बुलाकर सीएचसी बेंवा के लिए निकली। बीच रास्ते में प्रसव पीड़ा तेज होने पर ईएमटी विकास कुमार ने उपलब्ध डिलीवरी किट व आशा की मदद से सुरक्षित प्रसव कराया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. विकास चौधरी ने बताया कि एम्बुलेंस में सुरक्षित प्रसव के बाद जच्चा–बच्चा को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं–
धारा 11 (i) उ0प्र0जो0च0अधि0
अदालत– श्रीमान एस0ओ0सी0 महोदय बस्ती जिला बस्ती
राम जानकी मंदिर
बनाम
शिव प्रसाद आदि
1. राजकुमार पुत्र हरि प्रसाद 2. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी हरि प्रसाद 3. कार्तिक कुमार 4. आकाश कुमार पुत्रगण प्रमोद कुमार 5. रेखा देवी पत्नी प्रमोद कुमार साकिनान मौजा परसाखास तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 18–09–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिब हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 04 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0– C 202017000000139 /2020
धारा 210 उ0प्र0रा0स0 2006
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
उस्मान अली
बनाम
नरसिंह लाल आदि
1. मोहम्मद रईस पुत्र सफी मोहम्मद 2. अब्दुल माजिल पुत्र सफी मोहम्मद 3. अमीत पुत्र सफी मोहम्मद 4. अब्दुल सलीम पुत्र सफी मोहम्मद 5. शकील अहमद पुत्र रशीद 6. जमील शेख पुत्र रशीद 7. अदील शेख पुत्र रशीद 8. सद्दाम हुसैन पुत्र रशीद 9. श्रीमती सबरुन्निशा पत्नी अब्दुल रशीद 10. मोहम्मद अयूब पुत्र अहमद अली 11. लालचन्द पुत्र रामकिशुन 12. रामलालित पुत्र रामकिशुन 13. संकटा प्रसाद पुत्र रामकिशुन 14. विक्रम प्रसाद पुत्र रामकिशुन 15. राकेश कुमार पुत्र रामकिशुन साकिनान मौजा हथिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 20–09–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिब हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 03 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

टांडा के जुलूस ए मोहम्मदी के आयोजकों को किया जाएगा सम्मानित

संवाददाता–अम्बेडकरनगर।। हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस पर टांडा में ईद मिलादुन्नबी का आयोजन देश की एकता अखंडता का आपसी सौहार्द की एक मिसाल बन गया है। टांडा में जश्ने ईद मिलादुन्नबी स्वतंत्रता आंदोलन के पहले से ही मनाया जा रहा है। टांडा के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मिश्रीलाल आर्य के पुत्र, मिशीलाल आर्य कन्या इंटर कॉलेज के प्रबंधक एवं आर्य समाज के प्रख्यात विद्वान आनंद कुमार आर्य जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकलने वाले जुलूस ए मोहम्मदी के आयोजकों को आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित करेंगे। टांडा में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का आयोजन 80 वर्ष पूर्व नगर के जामा मस्जिद पर सूफी रमजान के नेतृत्व में शुरुआत की गई जो आज भी कायम है। टांडा में निकलने वाले जुलूस की शुरुआत भी हाजी सूफी मोहम्मद रमजान खान ने 69 वर्ष पहले सन 1957 में की थी। उनका साथ मौलवी शौदा, हाफिज मूसा कलीम, मुंशी अहमद करीम समेत मोहल्ला कस्बा के लोगों और शहर की उनकी टीम ने दिया था। वे 1957 से 1999 तक जुलूसे मोहम्मदी की सरपरस्ती करते रहे। फिर यह परंपरा उनके पुत्र मोहम्मद हाशिम ने निभाई, फिर इनके बाद मोहम्मद हाशिम के पुत्र मोहम्मद आरिफ खान इस परंपरा का निर्वहन करते चले आ रहे हैं। केंद्रीय अंजुमन गुलामाने मुस्तफा का नेतृत्व प्रमुख रूप से मोहम्मद आरिफ खान, फजले रब अंसारी, कस्बा जमा मस्जिद के इमाम हाफिज नैमुल्ला, शीराज फाजिल, मौलाना फैयाजुद्दीन आदि इस बार भी करेंगे। आयोजक मंडल के सिराज फाजिल ने बताया कि मरकज अंजुमन के साथ टांडा कस्बे के विभिन्न मोहल्ले की 57 अंजुम ने जुलूस ए मोहम्मदी में शिरकत करेंगे।

भू माफिया-दबंग जमीन कब्जा कर रहे तो करें सख्त कार्रवाई

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों को आश्वस्त किया हर व्यक्ति की समस्या का समाधान कराना संवेदनशील सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हर समस्या का निराकरण कराया जाएगा। हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में लोगों की समस्या सुनने के साथ ही सीएम योगी पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते रहे कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। इसमें किसी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

रविवार सुबह जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने किया गया। जनता दर्शन में आए लोगों को हमेशा की तरह कुर्सियों पर बैठाया गया था। इन लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक–एक कर और ध यान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने लोगों के प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि किसी की भी जमीन पर कब्जा नहीं होना चाहिए। यदि कोई दबंग या भू माफिया ऐसी हिमाकत कर रहा हो तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। सीएम योगी ने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति ही मानक होनी चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

पर्यटकों की पहली पसंद बना अयोध्या राम मंदिर, प्रदेश में आए 33 करोड़ से अधिक पर्यटक

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश देश–विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने में न सिर्फ सफल हो रहा है बल्कि नया रिकॉर्ड भी बनाने के लिए तैयार है। 2024 के शुरुआती छह महीने (जनवरी से जून) में प्रदेश में करीब 33 करोड़ पर्यटक भ्रमण के लिए आए। वहीं अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां आने वाले पर्यटकों ने काशी को भी पीछे छोड़ दिया है। 2023 के शुरुआती छह महीने में प्रदेश में 19.60 करोड़ से अधिक पर्यटक प्रदेश में आए थे। यानी बीते वर्ष की तुलना में इस साल शुरुआती छह महीने में 13 करोड़ 37 लाख से अधिक पर्यटक यूपी आए। खास यह कि साल 2022 में प्रदेश में जितने पर्यटक आए थे, उससे एक करोड़ से भी अधिक पर्यटक इस वर्ष शुरुआती छह माह में ही यूपी आ चुके हैं। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस वर्ष अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद पर्यटकों का आगमन तेजी से बढ़ा है। अभी तक जनवरी से जून के बीच छह माह में अयोध्या में घरेलू व विदेशी कुल 10 करोड़ 99 लाख पर्यटक आए हैं। जबकि वाराणसी में इन छह माह में घरेलू व विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या 4.61 करोड़ रही। उन्होंने बताया कि इस छह महीने में प्रयागराज में घरेलू व विदेशी कुल 4.53 करोड़, लखनऊ में 35.14 लाख पर्यटक आए। वहीं आगरा में घरेलू व विदेशी कुल 76.88 लाख पर्यटक आए हैं।

जयवीर सिंह ने कहा कि 2025 में महाकुंभ है, इससे प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी। इसे देखते हुए सिर्फ प्रयागराज ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

आरव के जन्मदिन को सीएम योगी ने बनाया यादगार, दिलाया पौधरोपण का संकल्प

संवाददाता–गोरखपुर। वसुंधरा एनक्लेव निवासी विद्याधर गुप्ता के बेटे आरव गुप्ता का जन्मदिन आज उनके लिए अविस्मरणीय बन गया। आरव को जन्मदिन पर न केवल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद मिला बल्कि मुख्यमंत्री से मिले पौधरोपण के संकल्प को अंगीकार कर उन्होंने हर जन्मदिन पर पौधा लगाने का वचन सीएम योगी को दिया। अपने जन्मदिन पर आरव अपनी बहनों अविका गुप्ता और आश्विका गुप्ता के साथ शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने गोरखनाथ मंदिर गए थे। तभी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर इन बच्चों पर पड़ गई और उन्होंने उन्हें अपने पास बुला लिया और बात करने लगे। बातचीत में सीएम योगी को जैसे ही यह पता चला कि आज आरव का जन्मदिन है, उन्होंने चॉकलेट और आशीर्वाद देकर आरव को जन्मदिन की बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने आरव से कहा कि आज एक पौधा जरूर लगाना। इस पर आरव ने न केवल आज बल्कि हर जन्मदिन पर पौधरोपण करने का संकल्प लिया। इस दौरान आरव की बहनों अविका और आश्विका ने भी अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करने का वचन दिया। मुख्यमंत्री ने दोनों बहनों को भी चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

ईद मिलादुन्नबी की तैयारियां पूरी, आज निकलेगा जुलूसे मोहम्मदी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में शहर से लेकर गांव तक जश्न–ए–ईदमिलादुन्नबी का पर्व सोमवार को अकीदत के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर मस्जिदों, खानकाहों को सजाया जा रहा है। जगह–जगह झंडा, बैनर, कार्ड बोर्ड व पताका लगा दिया गया है। भव्य जुलूस निकालने के लिए लोग तैयारियों को अन्तिम रूप देने में जुटे हुए हैं। 12 रबीउल अव्वल को मुसलमान भाई ईद मिलादुन्नबी के रूप में मनाते हैं। शान व शौकत से ईद मिलादुन्नबी के जुलूस निकालने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मदरसों व गांव से जुलूसे मोहम्मदिया निकालने के लिए झंडा, बैनर, पोस्टर व कार्ड बोर्ड बनकर तैयार हो गया है। ईद मिलादुन्नबी का जुलूस अकीदत व एहतराम के साथ निकाला जाएगा।

इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह 8 बजे जुलूस निकाला जाएगा। पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद (सल्ल.अलै.) का जन्म 12 रबीउल अव्वल (20 अप्रैल सन 571) को सउदी अरब के प्रसिद्ध शहर मक्का में हुआ था। इस दिन को अकीदतमंद मुसलमान ईद मिलादुन्नबी के तौर पर मानते हैं। इस मौके पर खुशी का इजहार करते हुए घर, मस्जिद व चौराहों को सजाते हैं। यह मुबारक दिन दुनिया को जुल्म व ज्यादती, ऊंच नीच व जाति पात में फर्क मिटाकर एक साथ खड़े होने का संदेश देता है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com